भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 2018
गुरुवार, 11 दिसम्बर, 2025/20 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

सलेम-चेन्नई और मदुरै के बीच उड़ान सेवा

2018. श्री के. ई. प्रकाशः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) तमिलनाडु राज्य सरकार के अनुरोध और यात्री मांग में तीव्र वृद्धि दर्शाने वाले दर्ज आंकड़ों के बावजूद सलेम-चेन्नई और सलेम-मदुरै के बीच निरंतर अतिरिक्त अनुसूचित उड़ान सेवाओं के न होने के क्या कारण हैं;

(ख) केन्द्र सरकार सेलम जिले के लिए पर्याप्त क्षेत्रीय सम्पर्क सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक अतिरिक्त सेवाओं को कब तक स्वीकृत और क्रियान्वित करेगी;

(ग) क्या यह सच है कि वेल्लोर आरसीएस विमानपतनम की अवसंरचना पूरी तरह से बन चुकी है, ज़रूरी ज़मीन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को बहुत पहले ही सौंप दी गई थी और राज्य के प्रशिक्षित सुरक्षा और दमकल कर्मी तैनाती के लिए तैयार हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा उड़ान परिचालन आरंभ करने में अत्यधिक देरी के क्या कारण हैं तथा केंद्र सरकार स्तर पर कौन-कौन सी विशिष्ट मंजूरियां या प्रक्रियाएं लंबित हैं तथा वेल्लोर में वाणिज्यिक परिचालन आरंभ करने की सही समय-सीमा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) : दिनांक 28.03.2026 तक प्रभावी, मौजूदा शीतकालीन अनुसूची के अनुसार, मेसर्स इंडिगो ने सेलम और चेन्नई के बीच दैनिक उड़ान परिचालन करने का प्रस्ताव किया है। लेकिन सलेम-मदुरै मार्ग के लिए ऐसा कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है। मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरसन के साथ, भारतीय घरेलू विमानन पूरी तरह से विनियमित हो गया और किसी भी दो शहरों के बीच उड़ानों का प्रारंभ या परिचालन पूरी तरह से एयरलाइनों का एक वाणिज्यिक निर्णय है, जो मार्ग की आर्थिक और परिचालन व्यवहार्यता और अन्य प्रासंगिक कारकों पर आधारित है।

(ख) : उड़ान 5.0 दौर की बोली प्रक्रिया के तहत, सेलम हवाईअड्डे को बेंगलुरु और कोचीन से जोड़ने वाले आरसीएस मार्गों को मेसर्स एलाइंस एअर को अवार्ड किया गया था और सेलम को बेंगलुरु और हैदराबाद से जोड़ने वाले आरसीएस मार्गों को मेसर्स इंडिगो को अवार्ड किया गया था। तब से एयरलाइनों ने इन मार्गों पर परिचालन शुरू कर दिया है।

(ग) और (घ): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के स्वामित्व वाला तमिलनाडु का वेल्लोर हवाईअड्डा, जिसे उड़ान योजना के तहत विकास हेतु चिह्नित किया गया है, वर्तमान में लाइसेंसिंग प्रक्रिया में है। सुरक्षा और लाइसेंसिंग संबंधी अनुमोदन हो जाने के बाद परिचालन शुरू हो सकता है।

******